काव्य मञ्जरी

(गीत, गीतिका एवं मुक्तक)

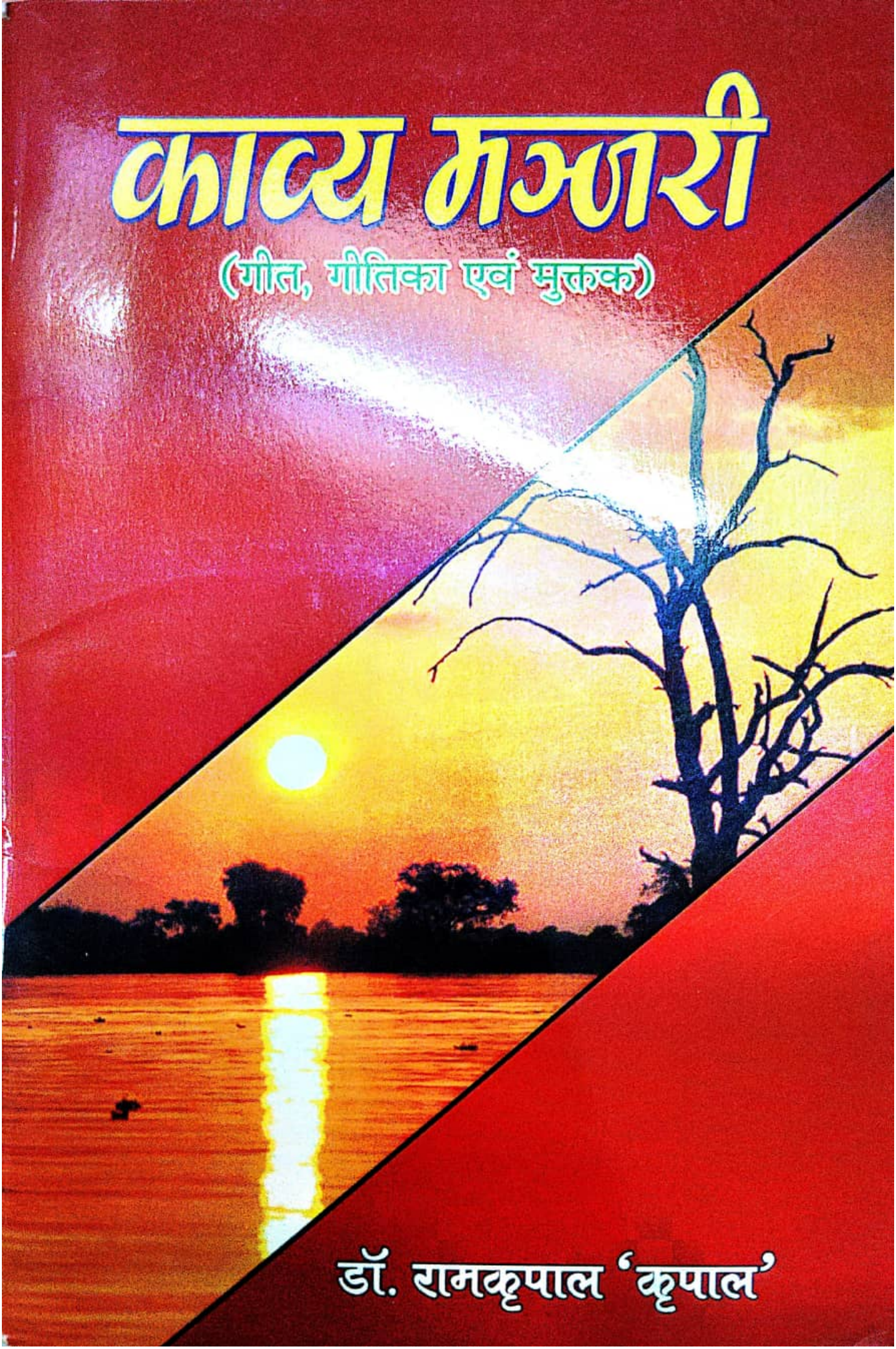

डॉ. रामकृपाल 'कृपाल'

Scanned with OKEN Scanner

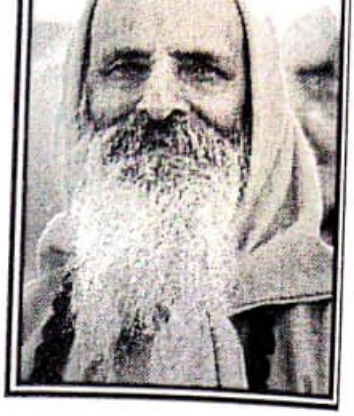

समर्पण

परम पूज्य सद्गुरु देव महामण्डलेश्वर अनन्त श्री विभूषित
युगपुरुष स्वामी परमानन्द गिरि जी महाराज के श्री चरणों में ...

अर्पित सदगुरु पद कमल, शब्द गुच्छ उपहार।
'काव्य मञ्जरी' में निहित, अन्तस के उद्गार।।

डॉ. रामकृपाल 'कृपाल'

कृति का नाम	**काव्य मञ्जरी** (गीत, गीतिका एवं मुक्तक)
रचयिता	डॉ. रामकृपाल 'कृपाल'
प्रथम संस्करण	2020
प्रतियाँ	500
सर्वाधिकार	रचनाकार के अधीन
मूल्य	₹ 220.00
प्रकाशक	बुन्देली साहित्य एवं संस्कृति सेवा संस्थान उरई, जनपद – जालौन, उ.प्र. – 285001
मुद्रक	नाइस ग्राफिक्स, उरई

Kavya Manjari

BY

Dr. Ramkripal "Kripal"

Scanned with OKEN Scanner

काव्य मञ्जरी

(गीत, गीतिका एवं मुक्तक)

रचनाकार : डॉ. रामकृपाल 'कृपाल'

अनुक्रम

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ
1.	अनुशंसा – सुरेश चन्द्र त्रिपाठी	6
2.	आत्म कथ्य – रामकृपाल 'कृपाल'	9
	गीत	
3.	परमात्मस्वरूप सद्गुरु बन्दना	11
4.	आरति वीणा वादिनि माँ की	13
5.	वाणी वन्दन	14
6.	आरति जन्मभूमि जननी की	15
7.	हमारा प्यारा हिन्दुस्तान	16
8.	नमन है उनको बारम्बार	17
9.	देश की बदलेंगे तस्वीर	18
10.	लिखेंगे हम नूतन इतिहास	19
11.	ऐसा सृजन करो	20
12.	उठो जवानो जागो	21
13.	जागो वीरो	22
14.	फौलादी संकल्प हमारा	23
15.	परिवर्तन की आहट है	24
16.	जवानो बढ़े चलो	25
17.	तिरंगा	26
18.	महामहिम डॉ. ज्ञानी जेल सिंह की पुण्य स्मृति पर श्रद्धाञ्जलि	27
19.	डॉ. भीमराव अम्बेडकर	29
20.	रानी दुर्गावती का शौर्य	30
21.	झाँसी वाली रानी	31
22.	वर्षा का सन्देश	32
23.	पर्यावरण	33
24.	अधूरे रहे सदा अरमान	34

Scanned with OKEN Scanner

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ
25.	सुख - दुख का कारण	35
26.	नदी का सन्देश	36
27.	सुहावन सावन का त्यौहार	38
28.	बचपन के दिन	40
29.	नव वर्ष का अभिनन्दन	41
30.	प्रकाश पर्व दीपावली	42
31.	दाता दो वरदान	44
32.	अग्नि ताप में तपकर सोना	45
33.	गौरैया	46
34.	उम्र रेत के घर-सी सरकी	47
35.	सुनो मेरे मालिक	48
36.	ग्राम्य जीवन	49
37.	हस्ती जब दाना की	50
38.	श्रद्धा-सुमन मा. अटल जी को सादर समर्पित	51
39.	वंश एक सिसौदिया	53
40.	नींद न आये रे	54
41.	मानव तन एक नसैनी है	55
42.	अच्छे दिन कब आयेंगे	56
43.	आजकल	58
44.	मान करके देखिए	59
45.	दशहरा (विजयादशमी)	60
46.	आओ दीप जलायें	61
47.	पेड़ लगाता चल	62
48.	ऋतु में आते फल	63
49.	परिवर्तन	64
50.	जीवन पारावार में	65
51.	उथल-पुथल अब भारी है	66
52.	जमाना बदल रहा है	67
53.	सहारा सद्गुरु का	69

Scanned with OKEN Scanner

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ
	गीतिका	
54.	कविता जन्म लेती है	70
55.	ध्यान रखना	71
56.	आइना है हाथ में	72
57.	लोग कहते कि अच्छा जमाना नहीं	73
58.	काम ज्यादा वक्त कम है	74
59.	चाहते गर रोशनी	75
60.	परम धर्म श्रुति सार	76
61.	चढ़ता जो दिन में दिनमान	77
62.	जाना कहाँ है	78
63.	वाहवाही मिली	79
64.	कंगन	80
65.	शम्आ बुझ जाय कब	81
66.	रक्षक मुरलीधर है	82
67.	जरूरी है	83
68.	दीपकों का तेल	84
69.	जिंदगी को दिशा चाहिए	85
70.	फर्ज की धज्जियाँ	86
71.	दो पहलू	87
72.	हल निकलेगा	88
73.	हो जायेगा	89
	मुक्तक	
74.	पिता है जीवन का आधार	90
75.	माँ ममता का रूप	91
76.	बेटियाँ	93
77.	पुत्री (माँ से)	94
78.	जागो बेटियो	95
79.	लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल	95
80.	आँसू	96
81.	लेखनी युग की	97
82.	स्फुट	98
83.	संक्षिप्त जीवन परिचय	107

Scanned with OKEN Scanner

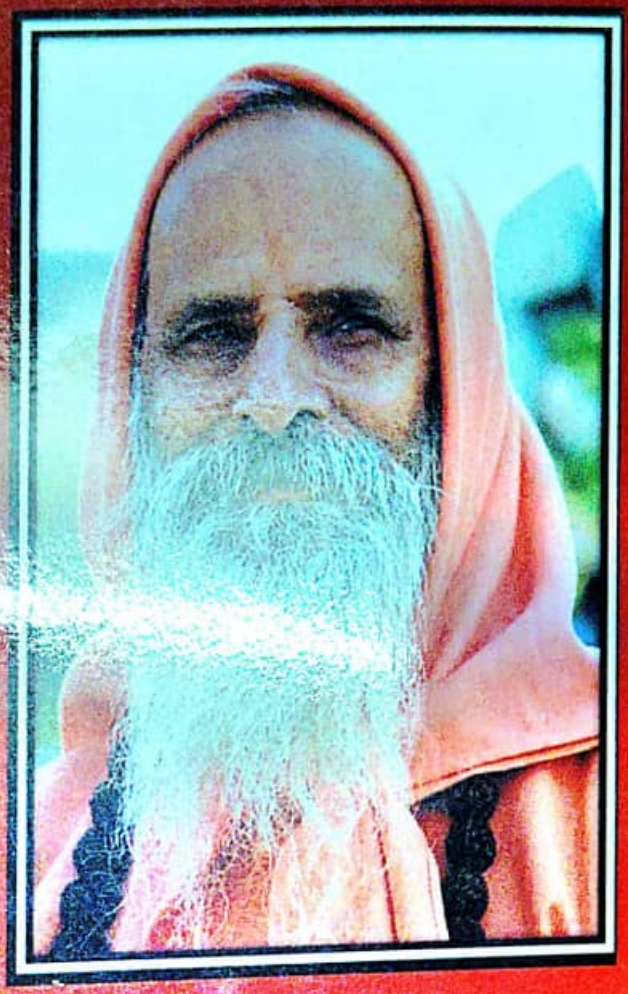

Scanned with OKEN Scanner